



महाराष्ट्र गृहनिर्माण व क्षेत्र विकास प्राधिकरण जनसंपर्क विभाग

कक्ष क्र. १९/२० तळ मजला, गृहनिर्माण भवन, कला नगर, वांद्रे पूर्व, मुंबई - ४०००५१.
☎ ०२२-६६४०५०६६/७७. ईमेल ✉: cpromhadaoffice@gmail.com



जावक क्रमांक - ३३/३२०४८३३

दिनांक :- ०९ मे, २०२६

प्रसिद्धिपत्रक

महाडामध्ये एलआयसीच्या जुन्या उपकरप्राप्त इमारतींच्या पुनर्विकासाबाबत बैठक

मुंबई, दि. ०९ मे, २०२६ :- मुंबई शहरातील भारतीय आयुर्विमा महामंडळ (एलआयसी) मालकीच्या जुन्या व मोडकळीस आलेल्या उपकरप्राप्त इमारतींच्या पुनर्विकास प्रक्रियेबाबत चर्चा करण्यासाठी महाडाच्या वांद्रे पूर्व येथील मुख्यालयात मुंबई इमारत दुरुस्ती व पुनर्रचना मंडळातर्फे महाडाचे उपाध्यक्ष तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री. संजीव जयस्वाल (भा. प्र. से.) यांच्या अध्यक्षतेखाली नुकतीच बैठक घेण्यात आली.

मुंबई शहरात एलआयसीच्या मालकीच्या एकूण ६८ उपकरप्राप्त इमारती असून त्या फोर्ट, गिरगाव, माटुंगा व दादर परिसरात स्थित आहेत. या इमारतींमध्ये मोठ्या संख्येने निवासी व अनिवासी भाडेकरू/रहिवासी वास्तव्यास असून अनेक इमारती अत्यंत जुन्या व धोकादायक अवस्थेत पोहोचल्या आहेत. रहिवाशांच्या जीवित व वित्तहानीचा धोका टाळण्यासाठी या इमारतींचा पुनर्विकास होणे अत्यावश्यक आहे.

या पार्श्वभूमीवर महाडाचे उपाध्यक्ष व मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री. संजीव जयस्वाल (भा.प्र.से.), भारतीय आयुर्विमा महामंडळाचे कार्यकारी निदेशक (संपदा) श्रीमती मिता खरे, मुंबई इमारत दुरुस्ती व पुनर्रचना मंडळाचे मुख्य अधिकारी श्री. मिलिंद शंभरकर (भा.प्र.से.) व इतर संबंधित अधिकारी यांच्यात नुकतीच बैठक पार पडली. बैठकीत एलआयसीच्या उपकरप्राप्त इमारतींच्या पुनर्विकासासंदर्भात सविस्तर माहिती देण्यात आली व चर्चा करण्यात आली.

बैठकीदरम्यान संबंधित इमारतींची सद्यस्थिती, भाडेकरूंच्या पुनर्वसनाची आवश्यकता, पुनर्विकास प्रक्रियेसाठी आवश्यक प्रशासकीय कार्यवाही तसेच पुढील टप्प्यातील नियोजन यावर सखोल विचारविनिमय करण्यात आला. पुनर्विकास प्रक्रियेत रहिवाशांच्या हिताला प्राधान्य देत सुरक्षित, आधुनिक आणि शाश्वत निवास व्यवस्था निर्माण करण्यावर भर देण्यात येणार असल्याचे यावेळी सांगण्यात आले.

भारतीय आयुर्विमा महामंडळ हे स्वतःच्या इमारती पुनर्विकसित करण्यास इच्छुक असल्याचे एलआयसीच्या अधिकाऱ्यांनी नमूद केले. या इमारतींच्या सत्वर पुनर्विकासासाठी महाडा सर्वतोपरी सहकार्य करेल, असे महाडाचे उपाध्यक्ष तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री. संजीव जयस्वाल यांनी सांगितले.

मुंबई शहरामध्ये भारतीय आयुर्विमा महामंडळाच्या फोर्ट येथे ३९ इमारती, गिरगाव येथे १८, माटुंगा येथे ०३ व दादर येथे ०८ इमारती अशा एकूण ६८ इमारती आहेत. या ६८ इमारतींमध्ये एकूण ८१५ निवासी व ९४९ अनिवासी असे एकूण १७६४ भाडेकरू/ रहिवासी सद्यस्थितीत वास्तव्यास आहेत.

####

स्वाक्षरीत/-

(वैशाली गडपाले)

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी / महाडा

सोशल मिडियावर आम्हाला फॉलो करा :



@mhadaofficial



@mhadaofficial



@mhadaofficial



@mhadaofficial



Maharashtra Housing & Area Development Authority

Public Relations Department

Room No. 19/20, Ground Floor, Gruhnirman Bhavan, Kala Nagar, Bandra
East, Mumbai-400051. ☎ 022-55405066/77.

Email : cpromhadaoffice@gmail.com



Outward No. : 33/3204833

Dt. 09 May, 2026

Press Release

MHADA Holds High-Level Meeting on Redevelopment of LIC-Owned Dilapidated Buildings

Mumbai, May 09, 2026: – A meeting was recently held at the MHADA Headquarters in Bandra (East) under the chairmanship of MHADA Vice President and Chief Executive Officer Mr. Sanjeev Jaiswal (IAS), organized by the Mumbai Building Repairs and Reconstruction Board, to discuss the redevelopment process of old and dilapidated cessed buildings owned by the Life Insurance Corporation of India (LIC) in Mumbai city.

There are a total of 68 cessed buildings owned by LIC in Mumbai city, located in Fort, Girgaon, Matunga, and Dadar areas. A large number of residential and non-residential tenants/residents are currently residing in these buildings, many of which have become extremely old and structurally dangerous. Redevelopment of these buildings is essential to prevent risks to the lives and property of the residents.

In this context, a meeting was recently held between MHADA Vice President and Chief Executive Officer Mr. Sanjeev Jaiswal (IAS), Executive Director (Estate) of LIC Mrs. Meeta Khare, Chief Officer of the Mumbai Building Repairs and Reconstruction Board Mr. Milind Shambharkar (IAS), and other concerned officials. During the meeting, detailed information regarding the redevelopment of LIC's cessed buildings was presented and discussed.

The discussion focused on the current condition of the buildings, the need for rehabilitation of tenants, administrative procedures required for redevelopment, and planning for the next stages of the process. It was emphasized that the redevelopment process would prioritize the interests of residents and focus on creating safe, modern, and sustainable housing facilities.

LIC officials stated that the corporation is willing to undertake redevelopment of its buildings independently. MHADA Vice President and Chief Executive Officer Mr. Sanjeev Jaiswal assured that MHADA would extend full cooperation for the speedy redevelopment of these buildings.

In Mumbai city, LIC owns 39 buildings in Fort, 18 in Girgaon, 03 in Matunga, and 08 in Dadar, totaling 68 buildings. At present, these buildings accommodate 815 residential and 949 non-residential tenants/residents, making a total of 1,764 tenants/residents.

###

(Sd/-)

(Vaishali Gadpale)

Chief Public Relations Officer / MHADA

Follow us on :



[@mhadaofficial](https://twitter.com/mhadaofficial)



[@mhadaofficial](https://facebook.com/mhadaofficial)



[@mhadaofficial](https://instagram.com/mhadaofficial)



[@mhadaofficial](https://youtube.com/mhadaofficial)



Outward No. : 33/3204833

Dt. 09 मई, 2026

प्रेस विज्ञप्ति

म्हाडा में एलआईसी की पुरानी उपकरप्राप्त इमारतों के पुनर्विकास को लेकर बैठक आयोजित

मुंबई, दिनांक 09 मई 2026 :- मुंबई शहर में भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के स्वामित्व वाली पुरानी एवं जर्जर उपकरप्राप्त इमारतों के पुनर्विकास प्रक्रिया पर चर्चा करने के लिए म्हाडा के बांद्रा (पूर्व) स्थित मुख्यालय में मुंबई भवन मरम्मत एवं पुनर्निर्माण मंडल की ओर से म्हाडा के उपाध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री संजीव जयस्वाल (भा.प्र.से.) की अध्यक्षता में हाल ही में एक बैठक आयोजित की गई।

मुंबई शहर में एलआईसी के स्वामित्व वाली कुल 68 उपकरप्राप्त इमारतें हैं, जो फोर्ट, गिरगांव, माटुंगा और दादर क्षेत्रों में स्थित हैं। इन इमारतों में बड़ी संख्या में निवासी एवं व्यावसायिक किरायेदार/रहवासी निवास कर रहे हैं तथा अनेक इमारतें अत्यंत पुरानी और खतरनाक अवस्था में पहुंच चुकी हैं। रहवासियों के जीवन एवं संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इन इमारतों का पुनर्विकास अत्यंत आवश्यक है।

इसी पृष्ठभूमि में म्हाडा के उपाध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री संजीव जयस्वाल (भा.प्र.से.), भारतीय जीवन बीमा निगम की कार्यकारी निदेशक (संपदा) श्रीमती मीता खरे, मुंबई भवन मरम्मत एवं पुनर्निर्माण मंडल के मुख्य अधिकारी श्री मिलिंद शंभरकर (भा.प्र.से.) तथा अन्य संबंधित अधिकारियों के बीच यह बैठक आयोजित की गई। बैठक में एलआईसी की उपकरप्राप्त इमारतों के पुनर्विकास संबंधी विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई और इस विषय पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के दौरान संबंधित इमारतों की वर्तमान स्थिति, किरायेदारों के पुनर्वास की आवश्यकता, पुनर्विकास प्रक्रिया के लिए आवश्यक प्रशासनिक कार्यवाही तथा आगामी चरणों की योजना पर गहन विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर बताया गया कि पुनर्विकास प्रक्रिया में रहवासियों के हितों को प्राथमिकता देते हुए सुरक्षित, आधुनिक एवं टिकाऊ आवास व्यवस्था विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

एलआईसी के अधिकारियों ने बताया कि भारतीय जीवन बीमा निगम अपनी इमारतों का पुनर्विकास स्वयं करने के लिए इच्छुक है। इन इमारतों के शीघ्र पुनर्विकास हेतु म्हाडा हर संभव सहयोग प्रदान करेगा, ऐसा म्हाडा के उपाध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री संजीव जयस्वाल ने कहा।

मुंबई शहर में भारतीय जीवन बीमा निगम की फोर्ट क्षेत्र में 39 इमारतें, गिरगांव में 18, माटुंगा में 03 तथा दादर में 08 इमारतें हैं। इन कुल 68 इमारतों में वर्तमान में 815 निवासी एवं 949 व्यावसायिक किरायेदार, इस प्रकार कुल 1764 किरायेदार/रहवासी निवास कर रहे हैं।

###

(Sd/-)
(वैशाली गडपाले)
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी / म्हाडा

Follow us on :



@mhadaofficial



@mhadaofficial



@mhadaofficial



@mhadaofficial

